सांसारिक चकाचौंध छोड़ आत्म दर्शन में रुचि लें मनुष्य

– आर्यिका पूर्णमति माताजी

राजेश जैन, झाँसी । धार्मिक क्रियायें करते करते मनुष्य धार्मिक तो बन गया किंतु धर्मात्मा नहीं बन पाया है। इसका एक मात्र कारण है कि मनुष्य संसारी चकाचौंध के झूठे आनंद में रमकर जीवन व्यतीत करने में लगा हुआ और आत्मदर्शन करने के प्रति उसकी रुचि नहीं है, जबकि बिना रुचि के आत्मदर्शन की अनुभूति बहुत दुर्लभ है। यह सद्वचन करगुवां में धर्मसभा को संबोधित करते हुए 105 आर्यिका रत्न पूर्णमति माताजी ने कहे ।

आर्यिका रत्न पूर्णमति माताजी ने कहा कि मनुष्य तो जन्म लेकर जैसे जैसे बड़ा होता है, विषय भोगों में लिप्त होता चला जाता है । आत्मा स्वभाव से एकल और बिना भाव के विभत्व है । अत: अपने उपयोग को शांत कर स्वयं की चेतना में झांकने की कोशिश करो तुम्हें बाहरी सुंदरता से कई गुना अधिक सुंदरता आत्मा के दर्शन में नजर आयेगी । अत: सबसे परे होकर अपने भीतर के चेतना तत्व को देखो ।

गुरु माँ ने कहा कि यहां धर्मसभा में बैठकर जब बिंदु में सिंधु जैसा ज्ञान प्राप्त कर आनंदित होते हो तो सोचो जब तुम्हें परमानंद की प्राप्ति होगी तो कितनी प्रसन्नता होगी । व्यक्ति का अहंकार अंदर की कालिमा है । यदि किसी के शरीर में क्रोध अथवा अहंकार भरा है तो वहीं तो बाहर आयेगा और यदि उसके भीतर दया, करुणा, क्षमा और वात्सल्य का भंडार है तो हर समय उसके भीतर से क्षमा और दया ही तो बाहर आयेगी । प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह तो अंदरुनी हालात पर निर्भर करती है अपनी जिंदगी में लोगों का जमघट लगाने से प्रसन्नता नहीं मिलती जबकि जितने ज्यादा संबंध बनते है जीव उतनी ही अधिक उलझनों में फंसता चला जाता है । धर्म हर इंसान को इंसान बनने की प्रेरणा देता है । प्राय: देखा जाता है कि कई लोगों की समस्याएँ उनकी अज्ञानता नहीं, बल्कि निठल्लापन है । ज्ञान की सबसे साफ पहचान है, चेहरे पर हमेशा रहने वाली प्रसन्नता । दुनिया कहती है कि जीव मूर्छित अवस्था में खा पी नहीं सकता लेकिन आचार्य भगवान कहते है कि यह जीव की मूर्छित अवस्था ही तो है जो वह सिर्फ खा–पीकर ही आनंदित है लेकिन जिस दिन उसकी मूर्छा खुलेगी उसकी दिन तुम अंदर की चेतन अवस्था को जागृत कर आत्मराम को जानने में लीन हो जाओंगे । यह हमारे भीतर की मूर्छा ही तो है जो अपने अंदर के आत्मधाम में विश्राम नहीं करने देती । राजीव जैन सिर्स, डॉ. जिनेन्द्र जैन, जुगू जैन, इंजी. केसरी, डॉ. नीलम जै ने आचार्यश्री के चित्र का माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया । संचालन प्रवीणकुमार जैन एवं आभार मंत्री सुभाष जैन सत्यराज ने व्यक्त किया ।

गत वर्षानुसार इस वर्ष भी आगामी अंक में हम 3 से अधिक निर्जल तपसाधना करने वाले श्रावकों व 5 से अधिक एक द्रव्य पर (जल, नारियल पानी) लेने वाले श्रावक अपने तपों की संख्या के साथ अपने नाम, पता व फोटो हमारे वाट्सएप्प नं. 9406744064 पर भेज सकते है। यह फोन चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं है । स्पष्ट उल्लेख होने पर ही प्रकाशन संभव होगा ।

खुद सत्यापित कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकता है जैन समाज

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार मंजीतसिंह राय ने जागरण पत्रिका से संवाद करते हुए बताया कि जैन समाज अल्पसंख्यक है तथा इस समाज को वही सुविधायें एवं लाभ प्रदान किये जा रहे है जो अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाजों को प्रदान किये जाते है । जैन समाज को इन सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए ।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह शिकायतें लगातार मिल रही है कि प्रशासन द्वारा जैन समाज के लोगों के अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र नहीं बनाये जा रहे है । जिससे कि वे शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाएँ नहीं ले पाते है । तब उन्होंने कहा कि अब जैन समाज के लोग स्वयं ही सत्यापित प्रमाणपत्र प्रयोग में ला सकते है यह प्रमाणपत्र भी मान्य होगा । जैन समुदाय को 27 जनवरी 2014 को अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने से भारतीय संविधान में उपलब्ध संरक्षक एवं अन्य अधिनियमों द्वारा प्राप्त कानूनी अधिकारों का प्रयोग करने की शक्ति प्राप्त हो गयी है । जैन समुदाय के व्यक्ति शिक्षण संस्थाएँ, व्यापारी, विद्यार्थी, धार्मिक स्थल, गैर सरकारी संगठन आदि केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों उपक्रमों एवं राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता, छात्रवृत्ति, अनुदान, ब्याज व सब्सिडी इत्यादि के हकदार बन गये है ।

श्री मंजीत सिंहजी के अनुसार उक्त अधिकारों को प्राप्त करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग, मौलाना आजाद एजुकेशन फाउण्डेशन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नेशनल मॉइनोरिटीज़ डेवलेपमेंट फायनेंस कार्पोरेशन एवं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग की वेबसाइट से जानकारी इस बारे में ली जा सकती है । उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी जिले में कोई अल्पसंख्यक समाज बहुसंख्यक है तो उसे बहुसंख्यक नहीं माना जायेगा । राष्ट्रीय स्तर पर जिन्हें अल्पसंख्यक माना गया है वे ही अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते है । संकलन – अनुपमा जैन

भोपाल में स्नेह सम्मेलन का आयोजन 14 अक्टूबर रविवार को

राजेश जैन, भोपाल । गोलालारीय समाज भोपाल का प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला स्नेह सम्मेलन व क्षमावाणी पर्व कार्यक्रम 14.10.2018, रविवार को मानस भवन, पोलीटेक्निक चौराहे पर प्रात: 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है । जिसमें भोपाल में निवासरत प्रत्येक गोलालारीय परिवार को व्यक्तिगत आमंत्रित करने का समाज की कार्यकारिणी ने पूर्ण प्रयास किया है । समाजजनों से सादर निवेदन है कि वे सपरिवार इस कार्यक्रम में पधारकर समाज संगठन को सुदृढ़ बनाने के लिए सहयोग प्रदान करेंगे ।

ARIHANT

ARIHANT MEDMACH PVT. LTD.

Service Develops Instantly

About us

Arihant Medmach pvt ltd Provide high quality refurbished and used medical imaging equipment **(CT SCANNER & MRI MACHINES)** to hospitals, imaging centers, and private medical practices. In this increasingly complex industry Arihant has Developed key business partners to provide complete solutions to our customers. We have developed one of the largest networks of dealers and certified engineers for every modality. By providing products and services that span the project life cycle, we offer our customers cost effective, easy to use quality solutions. We provide unparalleled expertise in product knowledge with hundreds of satisfied customers to back up our claims. From our commitment to making high quality imaging equipment, parts and service available to people around the world, to the way we engage our customers and communities - life is a gift - and extending a second chance for more people to live out a fuller life, be there for the ones they love and make a difference in this world is our honor and mission.

Regd. Office : Arihant Medmach Pvt. Ltd.
Office No. 203, F-8A, 2nd Floor, Vijay Block, Laxmi Nagar, New Delhi - 110092
Branch Office : Hyderabad | Kolkata |

Ph.: 011-45063612
Mobile : 9395133144, 9643573363

arihantmedmach@gmail.com
info@arihantmedmach.com
www.arihantmedmach.com

GAURAV JAIN
Director
Cell : 9395133144
Sr. No. : 244